[This question paper contains 4 printed pages.]

9821 *Your Roll No.....*

B.El.Ed. **B**

Paper–F–3.6

BASIC CONCEPTS IN EDUCATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 70*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **five** *questions in all*
Three *from Part* **I,** **Two** *from Part* **II.**

कुल पाँच प्रश्न करें।
भाग **I** *से तीन तथा भाग* **II** *से* **दो** *प्रश्न।*

PART–I (भाग I)

1. Position paper of the national focus group on 'Curriculum Syllabus, text books reiterates that, "rather than trying to serve as a self sufficient fully adequate resource any good textbook should lead the

P.T.O.

child to interact with the environment, peers, other people rather than transferring knowledge as a finished product." (NCERT 2005)

Use any two examples from two different textbooks you may have analysed which satisfy this criteria. (16)

पाठचर्या एवं पाठ्यपुस्तकों संबंध राष्ट्रीय वृतिक समूह ने रेखांकित किया है कि "बजाय इसके कि पाठ्यपुस्तकें स्वयं को स्रोत के रूप में पूर्णतया स्थापित करें, बेहतर हो कि कोई भी अच्छी पाठ्य पुस्तक बच्चे को उसके वातावरण, समव्यस्को एवं अन्य व्यक्तियों के साथ चर्चा करने के लिए प्रेरित करें। न कि वह ज्ञान को एक अंतिम उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करे (एन. सी. ई. आर. टी. - 2005)

किन्हीं दो विभिन्न पाठ्यपुस्तकों, जिनका आपने विशलेषण किया हो से दो उदाहरण लें जिन्होंने उक्त पैमाने पर खरी उतरती हो।

2. Examine the role of the school as a lab for child's life experiences in the light of John Dewey's essay– 'My Pedagogic Creed'. What can the school do to provide such opportunities to the child? (16)

जान डयूवी के प्रस्ताव 'मेरा शैक्षिक आधार' के संबंध में बच्चे के जीवन संबंधी अनुभवों के लिए स्कूल की एक प्रयोगशाला के रूप में भूमिका की विवेचना कीजिए।

बच्चे को ऐसी सुविधा प्रस्तुत करने के लिए विद्यालय क्या कर सकता है ?

3. Discuss the pros and cons of prayers, scripture reading and other religious observance in school.

What are the implications of Gandhi's views on religious practices in schools. (16)

स्कूलों में धर्म ग्रंथों को पढ़ना तथा अन्य धार्मिकता आचरणों के उचित-अनुचित प्रभावों की चर्चा कीजिए।

स्कूलों में धार्मिक आचरणों के संदर्भ में गाँधी जी के विचारों का क्या निहितार्थ है ?

4. What is the perspective on organisation of knowledge in NCF 2005 ? Do you think our schools provide adequate opportunities for children to learn in constructivist ways ? Why or why not ? (16)

राष्ट्रीय पाठ्चर्या की रूपरेखा 2005 का ज्ञान की व्यवस्था का क्या संदर्भ है ?

आपके अनुसार क्या हमारे स्कूल बच्चों को रचनानुरूप सीखने के लिए उचित स्थितियां प्रस्तुत करते हैं ?

5. Explore the role of mass media in redefining values in the Indian scenario ? How do the values promoted by the electronic media impinge on the teacher's role ? (16)

भारतीय परिदृष्य में जीवन मूल्यों को पुनः परिभाषित करने में जन-संचार साधनों की क्या भूमिका है, विवेचना कीजिए।

PART–II (भाग II)

6. Explain the concept of Negative Education as proposed by Rousseau. Examine its significance in the present educational scenario. (11)

रूसो द्वारा प्रस्तावित ऋणात्मक शिक्षा के विचार की व्याख्या कीजिए। समकालीन शैक्षिक संदर्भ में इसके महत्त्व की विवेचना कीजिए।

7. Krishnamurti says, "The function of education is to help you from childhood not to imitate anybody but to be yourself all the time." Mention the necessary preconditions that will enable the curriculum to fulfil this function of education in a school. (11)

कृष्णामूर्ति के अनुसार 'बचपन से शिक्षा का कार्य किसी की नक्ल करना नहीं वरन् सर्वदा आत्मचित होना है'।
स्कूली शिक्षा में पाठ्य-चर्या द्वारा शिक्षा के उपरोक्त कार्य को पूरा करने की क्या आवश्यक पूर्व-शर्तें हैं, उल्लेख करें।

8. Write short notes on any **two** of the following :
   (a) The role of peer group in socialisation
   (b) Work experience as a source of learning
   (c) Teacher's status and authority (11)

निम्न में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :
(क) समाजीकरण में समव्यस्क की भूमिका
(ख) शिक्षण में कार्यानुभव का स्थान
(ग) अध्यापक का स्थान एवं प्रभुत्व